



Ancient Vedic Mantras and Rituals





Chandra Darshan | चंद्र दर्शन 2026 पूजा विधि | PDF

चंद्र दर्शन का विस्तृत महत्व और पूजा विधि

चंद्र दर्शन का महत्व: चंद्र दर्शन हिंदू धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन होता है, जब नई चंद्रमा की पहली झलक देखने को मिलती है। यह दिन अमावस्या (नई चंद्रमा) के बाद आता है, और चंद्रमा के पुनर्जन्म का प्रतीक होता है। इसे विशेष रूप से शुभ माना जाता है, क्योंकि यह नए चंद्रमा की शुरुआत को चिह्नित करता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा की पूजा करने से जीवन में सुख, शांति, और समृद्धि आती है। यह दिन नई शुरुआत, व्रत रखने, और विशेष धार्मिक अनुष्ठान के लिए उपयुक्त होता है।

चंद्र दर्शन की तारीखें और समय हर वर्ष बदलते हैं, क्योंकि ये चंद्रमा की स्थिति पर निर्भर करते हैं। साल 2026 के लिए, चंद्र दर्शन आमतौर पर अमावस्या (नई चंद्रमा) के बाद के पहले दिन को मनाया जाता है। इस साल 11 जनवरी, 2026 को मनाया जायगा। चंद्र दर्शन का सही समय स्थानीय चंद्रमा की स्थिति पर निर्भर करता है,



है। इसे विशेष रूप से ध्यानपूर्वक अर्पित करें और इसे भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में वितरित करें।

पूजा की विधि:

1. स्नान और शुद्धता:

- पूजा से पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शुद्धता भी प्रदान करता है। स्नान के बाद, अपने शरीर और मन को पूरी तरह से शुद्ध महसूस करें। इस दौरान घर और पूजा स्थल की सफाई भी करें, ताकि पूजा का वातावरण पवित्र और स्वच्छ हो।

2. पवित्र स्थल की तैयारी:

- पूजा के लिए एक साफ, शांत और पवित्र स्थान चुनें। इस स्थान पर एक सफेद कपड़ा बिछाएं। सफेद रंग चंद्रमा के प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त है और पूजा स्थल को शुद्ध और पवित्र बनाता है।
- चंद्रमा की तस्वीर या प्रतिमा को इस स्थान पर स्थापित करें। यदि प्रतिमा उपलब्ध नहीं है, तो चंद्रमा का प्रतीकात्मक चित्र भी रखा जा सकता है।

3. चंद्रमा की पूजा:

- धूप और दीपक: पूजा स्थल पर दीपक और धूप जलाएं। दीपक से वातावरण को शुद्ध किया जाता है और धूप से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।
- नैवेद्य: चंद्रमा को मिठाई, फल, और अन्य खाद्य पदार्थ अर्पित करें। नैवेद्य अर्पित करने से चंद्रमा की कृपा प्राप्त होती



इसलिए यह समय अलग-अलग स्थानों पर भिन्न हो सकता है।

- **फूल और चंदन:** चंद्रमा की तस्वीर या प्रतिमा पर फूल और चंदन अर्पित करें। चंदन लगाने से चंद्रमा को सम्मानित किया जाता है और पूजा की शक्ति बढ़ती है।
- **आरती:** चंद्रमा की आरती करें। इसके लिए एक दीपक को घुमाकर चंद्रमा के सामने रखें और इस दौरान मंत्रों का जाप करें। आरती के दौरान चंद्रमा की ऊर्जा को आकर्षित करने का प्रयास करें।

4. प्रार्थना और व्रत:

- **प्रार्थना:** चंद्रमा से सुख, शांति, और समृद्धि की प्रार्थना करें। आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं, पारिवारिक खुशहाली, और स्वास्थ्य के लिए भी विशेष प्रार्थनाएँ कर सकते हैं।
- **व्रत:** कई लोग चंद्र दर्शन के दिन उपवासी रहकर व्रत रखते हैं। इस दिन हल्का आहार लेना या केवल फल-फूल का सेवन करना उपयुक्त होता है। व्रत रखने से मन और शरीर दोनों को शुद्ध किया जा सकता है।

5. भोग और प्रसाद:

- **भोग:** पूजा के बाद, चंद्रमा को अर्पित किए गए भोजन को भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में बाँटें। प्रसाद का सेवन करने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

क्या करें और क्या न करें:

करें:



- **धार्मिक ध्यान:** पूजा के समय ध्यान केंद्रित रखें और मानसिक शांति बनाए रखें। ध्यान और पूजा से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।
- **पुण्य कार्य:** इस दिन दान-पुण्य के कार्य करना लाभकारी होता है। गरीबों को भोजन, वस्त्र, या पैसे दान करें। यह पुण्य कार्य आपके जीवन में सुख और समृद्धि लाने में सहायक होता है।
- **सकारात्मक सोच:** दिनभर सकारात्मक सोच और अच्छे कार्यों में व्यस्त रहें। नकारात्मक सोच और बुरी आदतों से दूर रहें।

न करें:

- **झगड़े और विवाद:** इस दिन किसी भी प्रकार के झगड़े या विवाद से बचें। चंद्र दर्शन के दिन मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना महत्वपूर्ण है।
- **अमंगल कार्य:** इस दिन कोई भी नकारात्मक या अमंगल कार्य न करें। जैसे कि कर्ज लेना, झगड़ा करना, या बुरा व्यवहार करना।
- **अधिक भोजन:** अत्यधिक भोजन या नशे का सेवन न करें। यह पूजा के प्रभाव को कम कर सकता है और आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

चंद्र दर्शन से संबंधित अन्य बातें:

- **व्रत और उपवासी रहना:** उपवासी रहकर व्रत रखने से मन और शरीर को शुद्ध किया जा सकता है। यह दिन नई शुरुआत और आत्म-संयम का प्रतीक भी होता है।



- **संतुलित आहार:** हल्का और सादा आहार लें जो स्वास्थ्य और मन को स्वस्थ रखने में मदद करे।

इन विधियों और नियमों का पालन करके, आप चंद्र दर्शन के दिन को धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से सफल बना सकते हैं और इस दिन की शुभता का पूरा लाभ उठा सकते हैं

RELATED ARTICLE



श्री नवग्रह चालीसा



शिव जी चालीसा



THANKS FOR READING



READ MORE RELIGIOUS
CONTENT ON



vedicprayers.com

